॥ २ ॥ ३ ॥ ४ ॥ ६ ॥ ७ ॥ ८ ॥ ९ ॥ ९ । १ ९ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ ॥ १ पूर्वाक्रेतन्महारौद्रंराज्ञांयुद्धमवर्तत॥ कुरूणांपांडवानांचमुख्यशूरविनाशनं॥२॥तस्मिन्नाकुलसंग्रामेवर्तमानेमहाभये॥अभवतुमुलःशब्दःसंस्पशन्गगनंम हत् ॥ ३॥ नदद्भिश्रमहानागैईषमाणैश्रवाजिभिः॥ भेरीशंखनिनादैश्रतुमुलंसमपद्यत्॥ ४ ॥ युयुत्सवस्तेविक्रांताविजयायमहाबलाः॥ अन्योन्यमभिगर्ज तोगोष्ठेष्विवमहर्पभाः ॥ ५ ॥ शिरसांपात्यमानानांसमरेनिशितैःश्ररैः ॥ अञ्मवष्टिरिवाकाशेवभूवभरतर्पभ ॥ ६ ॥ कुंडलोष्णीषधारीणिजातस्पोज्जवलानि च॥पतितानिस्मदृश्यंतेशिरांसिभरतर्षभ॥७॥विशिखोन्मथितैर्गात्रैर्बाद्धभिश्रसकार्मुकैः ॥ सहस्ताभरणैश्रान्यैरभवच्छादितामही॥८॥ कवचोपहितै र्गात्रैईस्तैश्रसमलंकतेः ॥ मुखैश्रचंद्रसंकाशैरकांतनयनैःशुभैः ॥९॥ गजवाजिमनुष्याणांसर्वगात्रैश्रभूपते॥आसीत्सर्वासमास्तीर्णामुहूर्तेनवसुंधरा ॥१०॥ रजोमे पैश्रत्मुलैःशस्विद्युसकाशिभिः॥ आयुधानांचिनिर्घोषःस्तनिय्बुसमोभवत्॥ ११॥ ससंप्रहारस्तुमुलःकटुकःशोणितोदकः॥ प्रावर्ततकुरूणांचपां ढवानांचभारत॥१२॥ तस्मिन्महाभयेघोरेतुमुलेलोमहर्षणे॥वरुषुःश्रवर्षाणिक्षत्रियायुद्धदुर्मदाः॥१३॥ आक्रोशन्कुंजरास्तत्रश्रवर्षप्रतापिताः॥ ताव कानांपरेषांचसंयुगेभरतर्षभ॥ १४॥ संरब्धानांचवीराणांधीराणाममितौजसां॥धनुर्ज्यातलशब्देननप्राज्ञायतिकंचन ॥ १५॥ उत्थितेषुकवंधेषुसर्वतःशो णितोदके ॥ समरेपर्यधावंतन्तपारिपुवधोद्यताः ॥ १६ ॥ शरशक्तिगदाभिस्तेखद्गैश्वामिततेजसः ॥ निजञ्जःसमरेन्योन्यंश्रूराःपरिघवाहवः ॥ १ ०॥ बञ्जमुःकुंज राश्चात्रशरैविद्धानिरंकुशाः॥अश्वाश्चपर्यधावंतहतारोहादिशोदश् ॥ १८॥ उत्पत्यनिपतंत्यन्येशरघातप्रपीढिताः॥ तावकानांपरेषांचयोधाभरतसत्तम ॥ ॥ १९॥ वाहानामुत्तमांगानांकार्मुकाणांचभारत॥ गदानांपरिघाणांचहस्तानांचोरुभिःसह॥ २०॥ पादानांभूषणानांचकेयुराणांचसंघशः॥ राश्यस्तत्रह श्यंतेभीष्मभीमसमागमे॥ २१॥ अश्वानांकुंजराणांचरथानांचानिवर्तिनां॥ संघाताःस्मप्रदृश्यंतेतत्रतत्रविशांपते॥ २२॥ गदाभिरसिभिःप्रासैर्वाणैश्र्वनत पर्वभिः ॥ जघुःपरस्परंतत्रक्षत्रियाःकालआगते॥ २३॥ अपरेबाहुभिवीरानियुद्धकुशलायुधि॥ बहुधासमसज्जंतआयसैःपरिघैरिव॥ २४॥ मुष्टिभिर्जानु भिश्रैवतलैश्रैवविशांपते॥अन्योन्यंजिघरेवीरास्तावकाःपांडवैःसह॥२५॥पतितैःपात्यमानैश्रविचेष्टद्भिश्रभूतले ॥ घोरमायोधनंजज्ञेतत्रतत्रजनेश्वर॥ ॥ २६॥ विरथारथिनश्चात्रनिसिश्वरधारिणः॥ अन्योन्यमक्षिधावंतःपरस्परवधैषिणः॥ २ ७॥